जन्नत की नेमतो और जन्नतियो का बयान (मुस्लिम शरीफ)

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.
हिन्दी किताब एक हजार मुन्तखब हदीसे मुस्लिम शरीफ से रिवायत का खुलासा है.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

1) रावी हज़रत अनस रदी., रसूलुल्लाह صلی اللہ علیہ وسلم ने फरमाया- जन्नत को तकलीफों ने घेरा हुआ है और दोज़ख को नफ्सानी इच्छाओं ने घेरा हुआ है.
वज़ाहत- जन्नत में जाने के लिये दुनिया में तकलीफें बरदाश्त करनी पडती है जैसा की सहाबा किराम रदी. ने बरदाश्त की, और जहन्नम वाले दुनिया में अपनी इच्छाओं के मुताबिक चलते है. आखिर उन्का ठिकाना जहन्नम होगा.

2) रावी हज़रत अबू सईद खुदरी रदी., रसूलुल्लाह صلی اللہ علیہ وسلم ने फरमाया- जन्नती लोग अपने उपर की मन्ज़िलों को इस तरह देखेंगे जिस तरह तुम आसमान में चमकते हुए सितारों को

देखते हो, क्योंकि कुछ मुसलमानों के दरजात कुछ दूसरों से जियादा होंगे. सहाबा रदी. ने अर्ज़ किया ए अल्लाह के रसूल! वो नबियों के दर्जे होंगे जिन तक कोई और नहीं पहुंच सकता. हुजूर صلی اللہ علیہ وسلم ने फरमाया- नहीं, उस ज़ात की कसम जिस्के हाथ में मेरी जान है ये वे लोग है जो अल्लाह पर ईमान लाये और उस्के रसूलों की तस्दीक की.

3) रावी हज़रत अनस बिन मालिक रदी., रसूलुल्लाह صلی اللہ علیہ وسلم ने फरमाया- जन्नत में एक बाज़ार है जिस्मे जन्नती हर जुमा के दिन आया करेंगे उस दिन उत्तर से हवा चलेगी जो उन्के चेहरों और कपडों पर से गुज़रेगी उस्से उन्का हुसन वा जमाल (सुन्दरता) और बढ जायेगा फिर वे अपने घर वालों की तरफ लौटकर जायेंगे तो वे कहेंगे अल्लाह की कसम! हमारे पास से जाने के बाद तुम्हारा हुसन वा जमाल बहुत जियादा हो गया.
वज़ाहत- जन्नत में रहने वालों को दूसरी नेमतों के साथ-साथ खूबसूरती जैसी नेमत भी अल्लाह रब्बुल-इज़्ज़त अता फरमायेगे. आखिरत में खूबसूरती को हासिल करने के लिये जियादा से जियादा नेक आमाल किज्ये.

4) रावी हज़रत जाबिर बिन अब्दुल्लाह रदी., रसूलुल्लाह صلى الله عليه وسلم ने फरमाया- जन्नती जन्नत में खायेगे-पियेगे, वे उस्मे ना पाखाना करेंगे, ना नाक साफ करेंगे, ना पेशाब करेंगे. उन्का खाना डकार की शक्ल में खतम हो जायेगा, वोह मशक की तरह खुशबूदार होगा. उन्को तस्बीह और हम्द का इलहाम इस तरह किया जायेगा जिस तरह सांस आता जाता है.

5) रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी., रसूलुल्लाह صلى الله عليه وسلم ने फरमाया- जो शख्स जन्नत में दाखिल होगा उसे ऐसी नेमतें दी जायेगी की फिर उसे कोई तकलीफ नहीं होगी, ना उस्के कपडे पुराने होंगे, ना उस्की जवानी खतम होगी.

6) रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी., रसूलुल्लाह صلى الله عليه وسلم ने फरमाया- एक एलान करने वाला एलान करेगा- ए जन्नत वालो! तुम्हारे लिये ये मुकर्रर हो गया है की तुम हमेशा तन्दरूस्त रहोगे और कभी भी बीमार नहीं होगे, तुम ज़िन्दा रहोगे और कभी नहीं मरोगे, और तुम हमेशा जवान रहोगे और कभी बूढे नहीं होगे, और तुम हमेशा नेमतों में रहोगे और तुम पर कभी भी कोई

तकलीफ नहीं आयेगी. और इस्की ताईद अल्लाह तआला ने अपने इस कौल में फरमाई है तर्जुमा- और उन्को ये बात बता दी जायेगी की ये वोह जन्नत है जिस्के तुम अपने आमाल की वजह से वारिस बनाये गये हो. (सूरे आराफ/७, आयत/४३)

7) रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन कैस रदी., रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- मोतियों का एक खेमा है जिस्की लम्बाई ६० मील है, उस्के हर कोने में मोमिन की बीवियां होंगी, जिन्को दूसरे कोने वाली नहीं देख सकेंगी.

8) रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी., रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- "सैहान" और "जैहान" और "फुरात" और "नील" ये जन्नत की नहरों मेसे है.

9) रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी., रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- जन्नत में कुछ ऐसी कौमें दाखिल होंगी जिन्के दिल नरम मिजाजी और अल्लाह पर भरोसा करने में परिन्दों की तरह होंगे.